480वाँ सफलतम अंक

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

वर्ष 41 | प्रथम अंक | अगस्त 2018

इस अंक में...

15 श्रम बिना सफलता कहाँ ?
16 राष्ट्रीय घटनाक्रम
20 अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम
32 आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य
35 नवीनतम सामान्य ज्ञान
42 खेलकूद
48 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
50 रोजगार समाचार
52 युवा प्रतिभाएं
62 सिविल सेवा परीक्षा : वर्तमान प्रवृत्तियों को प्रतिबिम्बित करती तैयारी की रणनीतियाँ
68 विश्व परिदृश्य
73 स्मरणीय तथ्य
75 मातृभाषा : संस्कृति और संस्कारों की संवाहिका
77 चर्चित शब्दावली
80 फोकस—भारत में जल संकट
83 भारत के प्रमुख ऐतिहासिक व्यक्तित्व
86 वर्तमान में चर्चित विभिन्न अवधारणाएं
88 समसामयिक लेख—सार्क : समस्याएं एवं समाधान
90 अन्तर्राष्ट्रीय-राजनीतिक लेख—प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्वीडन यात्रा एवं पहला भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन
93 विधिक लेख—विधि निर्णय
94 मितव्ययिता लेख—प्राकृतिक संसाधनों के मामले में अपरिग्रह और प्रबन्धन अब नहीं तो कब ?
95 विश्व-बन्धुत्व लेख—अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति एवं सुरक्षा स्थापित करने में संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका
98 विज्ञान लेख—जैविक अन्योन्यक्रिया
100 डिजिटल लेख—डिजिटल इण्डिया से डिजिटल गाँव तक : लक्ष्य एवं सफलताएँ
102 सामाजिक लेख—एससी-एसटी एक्ट विवाद और हकीकत
105 अन्तर्राष्ट्रीय समझौता लेख—ईरान परमाणु डील तोड़ना डोनाल्ड ट्रंप का एक और गलत कदम
108 कॅरियर लेख—एस.एस.बी. : सेना के तीनों अंगों के लिए क्या ? क्यों ? और कैसे ?
111 कृषि लेख—हरित क्रांति-कृषोन्नति योजना
112 सार संग्रह
116 सामान्य अध्ययन—(i) आगामी उत्तर प्रदेश पी.सी.एस. (प्रा.) परीक्षा 2018 हेतु विशेष हल प्रश्न
124 (ii) सिविल सेवा (प्रा.) परीक्षा, 2018
136 (iii) नाबार्ड (ग्रेड A) अधिकारी परीक्षा, 2017
139 (iv) छत्तीसगढ़ पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा, 2017
147 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न
149 उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता
151 आर्थिक टिप्पणियाँ—महत्वपूर्ण समसामयिक आर्थिक गतिविधियाँ
153 तर्कशक्ति—आई.बी.पी.एस. द्वारा आयोजित आर. आर. बी. ऑफीसर स्केल-I (प्रा.) परीक्षा, 2017
157 संख्यात्मक अभियोग्यता—आई.बी.पी.एस. द्वारा आयोजित आई.टी. स्पेशलिस्ट ऑफीसर परीक्षा, 2017
163 क्या आप जानते हैं ?
164 अपना ज्ञान बढ़ाइए
165 प्रथम पुरस्कृत निबन्ध—ज्ञान में पूँजी निवेश, सर्वाधिक प्रतिफल
167 निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक—469 का परिणाम
168 सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता क्रमांक—185
171 English Language—New India Insurance Co. (A.O.) (Pre.) Exam., 2016
173 वार्षिकी

प्रतियोगिता दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. -सम्पादक

• E-mail : publisher@pdgroup.in • Website : www.pdgroup.in

श्रम बिना सफलता कहाँ?

✍ साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

चाहे जो भी कार्य सिद्ध करना हो, आपकी सफलता अर्थात् कार्यसिद्धि बिना श्रम के संभव नहीं है.

सफलता तो हर किसी को चाहिए, परन्तु श्रम करने से जब तक जी चुराते रहोगे, बहाने बनाते रहोगे तब तक सफलता कैसे हासिल कर पाओगे.

सफलता के लिए मात्र ऊँचे स्वप्न देख लेना यानि बड़ा लक्ष्य निर्धारित कर लेना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि आपको अपने लक्ष्य के अनुरूप पुरुषार्थ करना होगा. ऊँची इमारत बनानी है, तो गहरी व मजबूत नींव भी डालनी होगी. आइये जानें, क्यों कुछ लोग श्रम करने से घबराते हैं और अपनी सफलता से फासला बनाए चले जाते हैं.

भूलें हो जाने का भय–

यह एक बहुत बड़ा कारण है, जिसकी वजह से कितने ही लोग कभी भी एक सफल, संतुष्ट व सार्थक जीवन नहीं जी पाते हैं. लोग डरते हैं कुछ नया करने से कुछ अलग करने से, पुरानी लीक में परिवर्तन लाने से क्योंकि उन्हें लगता है कि जो कुछ चिर-परिचित चला आ रहा है, करते जा रहे हैं अगर उससे कुछ हट कर किया और परिणाम सकारात्मक नहीं आया, तो लोग क्या कहेंगे? बड़े बुजुर्गों की फटकार सुननी पड़ेगी. भविष्य की सफलता निश्चिंत हो, गारण्टी हो तो ही हम कुछ प्रयास करें अन्यथा खतरा मोल नहीं ले सकते. हमसे बॉस की या मालिक की अपने अभिभावक की डांट-फटकार-आलोचना सहन नहीं होगी, इसलिए हम पीछा करते आ रहे हैं. उससे अधिक कुछ करने का साहस नहीं रख सकते. हमारी पुरानी छवि जैसी है तैसी की वैसी बनी रहे कहीं ऐसा न हो जावे कि चौबे जी छब्बे जी बनने निकले और रह गए दुबेजी ही. इस तरह भूल हो जाने के भ्रम से कितने ही लोग मंच पर अपनी क्षमताओं को प्रकट करने आते ही नहीं. अपनी कविता किसी के सामने गाते ही नहीं. अपने नित्यक्रम से भिन्न चर्चा को स्वीकारते ही नहीं. जो कुछ परिपाटीगत चला आ रहा है उससे भिन्न सोचने को भी तैयार नहीं होते.

किन्तु जो लोग भूलों से घबराते नहीं, हर भूल को सुधार कर आगे बढ़ने का हौसला रखते हैं वे अपने परिश्रम से अपने भाग्य को संवार-सजा लेते हैं और कुछ नया, कुछ अच्छा, उम्मीद से बेहतर कर किए जाने पर सफलतम की श्रेणी में आ जाते हैं. उन्हें लोग 'सफल व्यक्ति' मानते हैं क्योंकि उनकी प्रतिभा निखर कर प्रगट हो पाई है. वे Out of Box जाने में हिचकिचाए नहीं है.

●●●